PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION

PMA RAJASTHAN, INDIA

हाल ही के सर्वेक्षणों से कोविड-19 के परिणाम

सितंबर-दिसम्बर 2021

COVID-19

मुख्य परिणाम

पिछले वर्ष (2020) की तुलना में COVID-19 से संक्रमित होने के बारे मे चिंता व्यक्त करने वाली महिलाओं का प्रतिशत कम हुआ है।

सेवा वितरण केंद्र जाने की इच्छा रखने वाली 19% महिलाओं ने केन्द्रों तक पहुँचने में कठिनाई का सामना करने की सूचना दी, जो 2020 में 65% थी।

परिवार नियोजन सेवाएँ प्रदान करने वाले जिन 29% सेवा वितरण केन्द्रों ने आपूर्ति में अनियमितता की सूचना दी, उनमें से 5% ने COVID-19 प्रतिबंधो/लॉकडाउन के दौरान परिवार नियोजन विधियों की आपूर्ति पूरी तरह से रुकने की जानकारी दी।

खंड 1: COVID 19 संबन्धित चिंताएँ

COVID 19 से संक्रमित हो जाने की चिंता

महिलाओं का प्रतिशत जो कि *COVID 19* से संक्रमित होने को ले कर चिंतित है (n=4527)

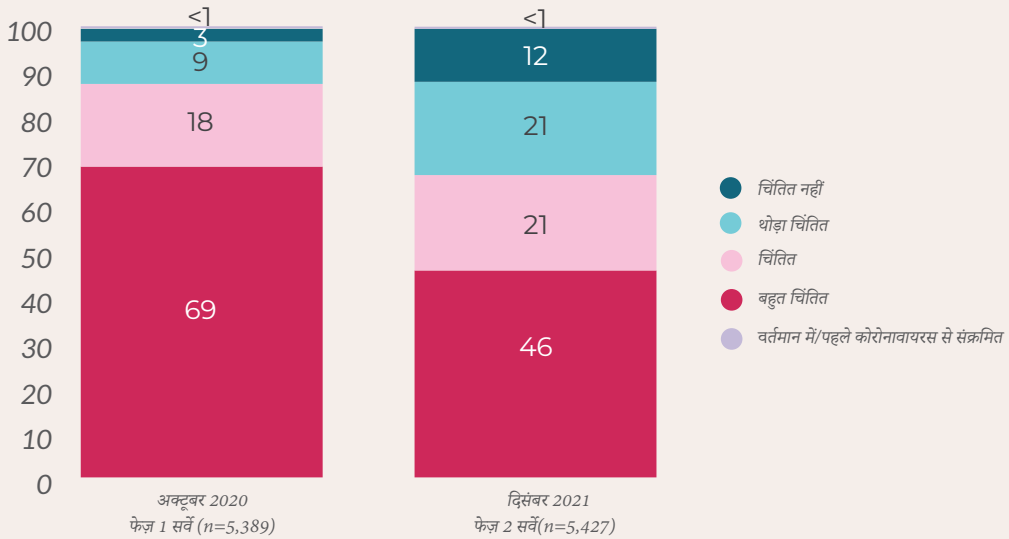

अक्टूबर 2020
फेज़ 1 सर्वे (n=5,389)

दिसंबर 2021
फेज़ 2 सर्वे(n=5,427)

खंड 1 के मुख्य परिणाम: COVID 19 से संक्रमित हो जाने की चिंता

- 2020 की तुलना में राजस्थान की महिलाओं के बीच कोविड-19 से संक्रमित होने की चिंता कम हुई है।

PMA INDIA PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION | IIHMR UNIVERSITY | JOHNS HOPKINS BLOOMBERG SCHOOL of PUBLIC HEALTH | Bill & Melinda Gates Institute for Population and Reproductive Health | jhpiego Saving lives. Improving health Transforming futures.

खंड 2: COVID 19 का आर्थिक स्थिति पर प्रभाव

घर परविार की आमदनी का नुकसान

वित्तीय स्थिति के आधार पर ऐसी महिलाओं का प्रतिशत, जिनके घर परिवार को पिछले 12 महीने में COVID 19 के कारण आय का नुकसान हुआ (n=4185)

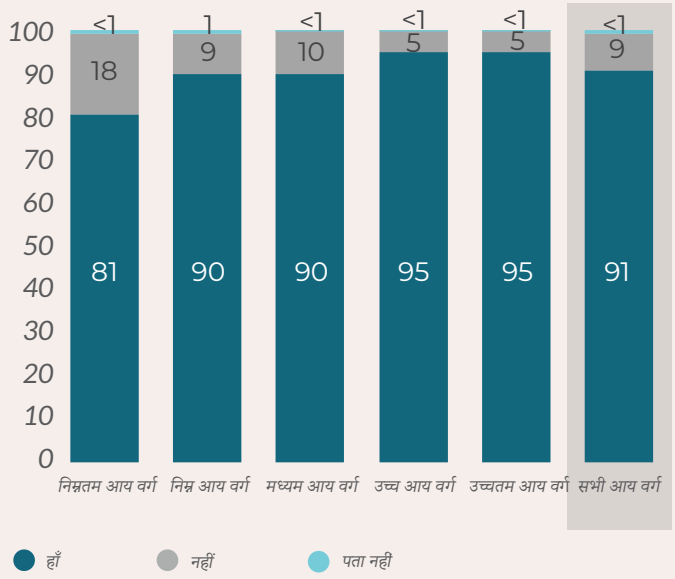

पारिवारिक आय की क्षति पूर्ति

वित्तीय स्थिति के आधार पर पिछले 12 महीनों में पूर्ण या आंशिक आय हानि की सूचना देने वाले परिवार में रहने वाली महिलाओं में पिछले 4 सप्ताह के भीतर क्षति पूर्ति की स्थिति का प्रतिशत वितरण (n=3,798)

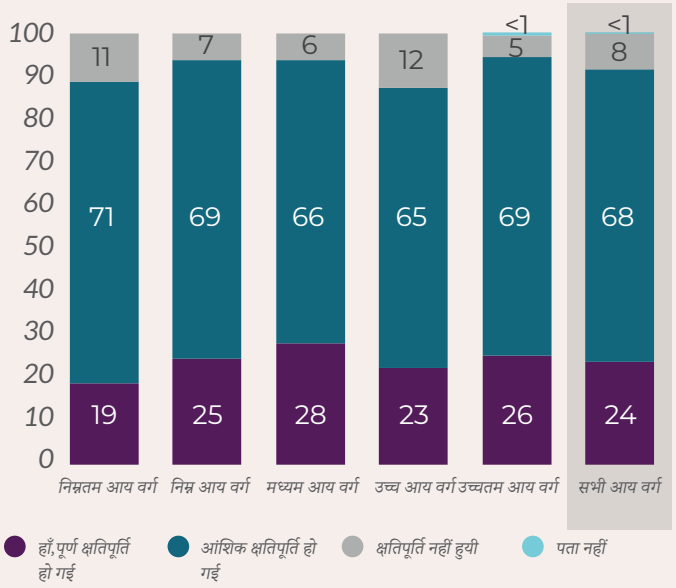

खाद्य असुरक्षा

वित्तीय स्थिति के आधार पर उन महिलाओं का प्रतिशत जिन्होंने यह बताया कि हाल ही में उनके परिवार के कम से कम एक सदस्य को भूखा रहना पड़ा

आर्थिक आश्रितता

वित्तीय स्थिति के आधार पर वर्तमान में विवाहित उन महिलाओं का प्रतिशत जिन्होंने ये कहा कि वे आर्थिक रूप से अपने पति पर निर्भर हैं।

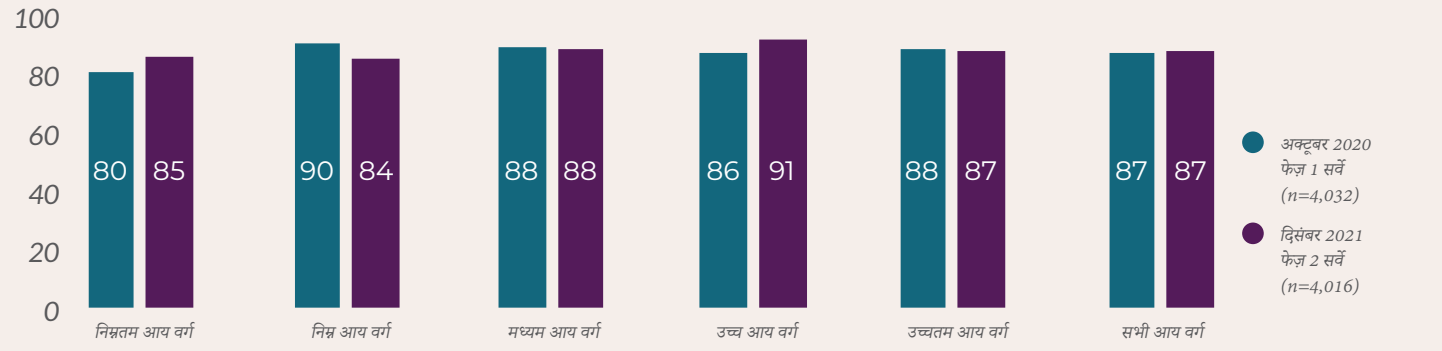

PMA INDIA
PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION

खंड 2 के मुख्य परिणाम: COVID 19 का आर्थिक स्थिति पर प्रभाव

- *91% महिलाओं ने बताया पिछ्ले 12 महीनों में उनके परिवारों की आय को COVID-19 के कारण आंशिक या पूर्ण नुकसान हुआ है।*
- *जिन महिलाओं ने बताया कि उनके परिवारों ने पिछले 12 महीनों मे पूर्ण या आंशिक आय के नुकसान का अनुभव किया है, उनमें से 68% ने अपने नुकसान के आंशिक क्षति पूर्ति की सूचना दी, जब की 8% ने आय के नुकसान में कोई सुधार ना होने की सूचना दी।*
- *पिछले वर्ष (2020) की तरह, वर्तमान मे 87% विवाहित महिलाओं ने बताया कि वे आर्थिक रूप से अपने पति पर निर्भर हैं*

खंड 3: स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच में बाधाएं/व्यवधान

सेवा वितरण केंद्र जाने की इच्छा

वित्तीय स्थिति के आधार पर सेवा वितरण केंद्र जाने की इच्छुक महिलाओं में से उन महिलाओं का प्रतिशत जो परिवार नियोजन सेवाओं के लिए सेवा वितरण केंद्र गयी ।

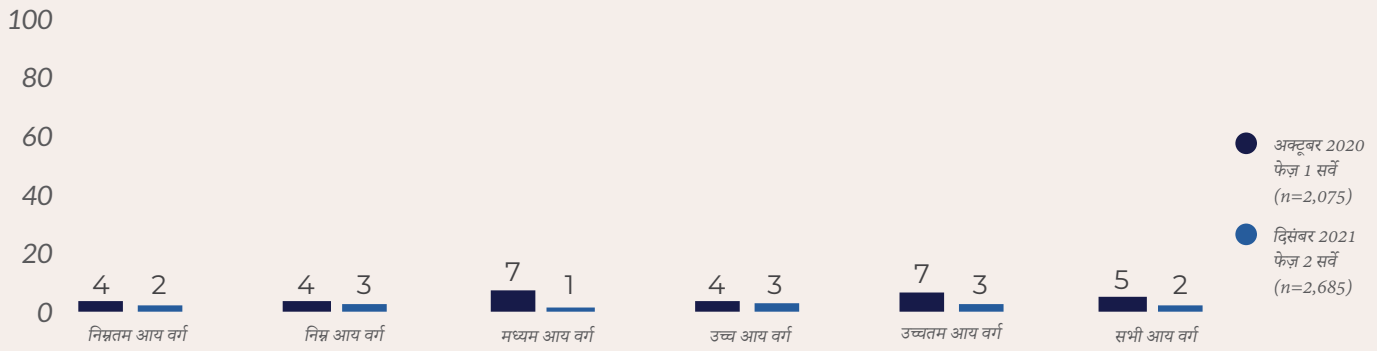

स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच में मुश्किल

वित्तीय स्थिति के आधार पर हाल ही में सेवा वितरण केंद्र जाने की इच्छुक महिलाओं में से उन महिलाओं का प्रतिशत जिंहोने सेवा वितरण केंद्र तक पहुँचने में किन्हीं परेशानियों का अनुभव किया |

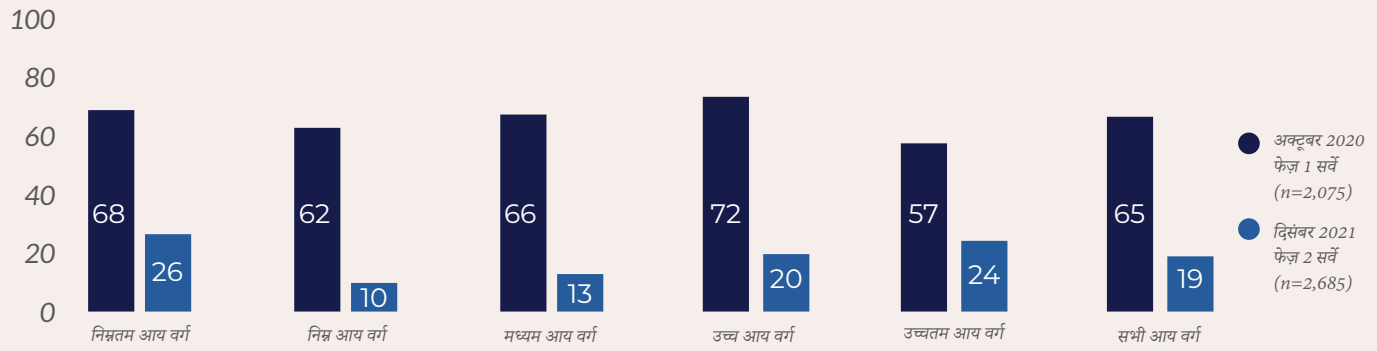

PMA INDIA
PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION

सेवा वितरण केंद्र तक पहुँचने में कठिनाई के कारण

वित्तीय स्थिति के आधार पर हाल ही में सेवा वितरण केंद्र जाने की इच्छुक महिलाओं में से उन महिलाओं का प्रतिशत जिंहोने सेवा वितरण केंद्र तक पहुँचने में निम्न में से किन्हीं परेशानियों का अनुभव किया | (एक से अधिक जवाब संभव)

सेवा वितरण केंद्र बंद

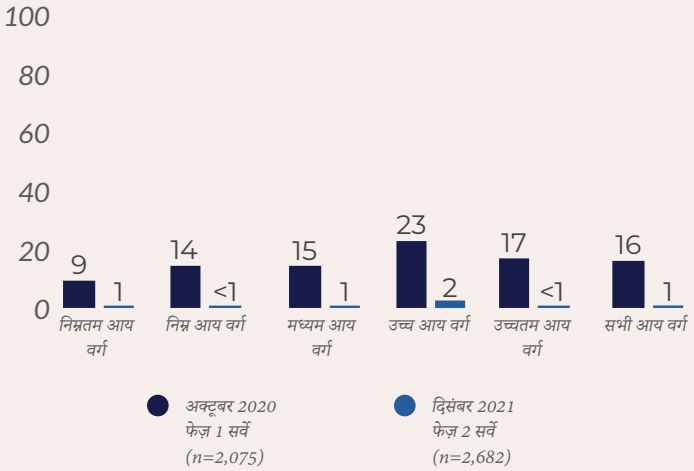

साथी की नामंजूरी

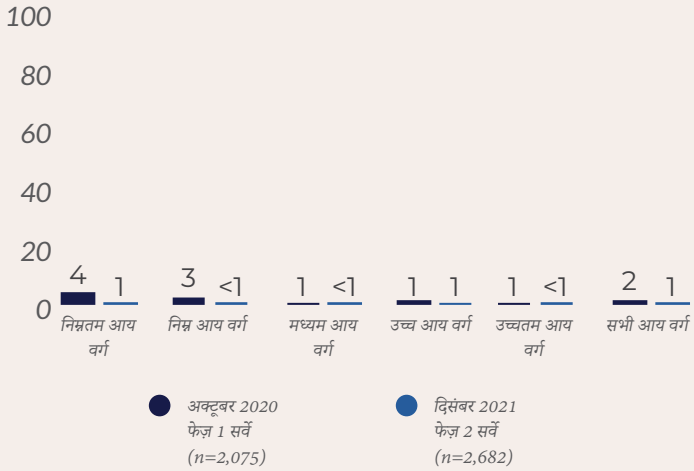

परिवहन साधन उपलब्ध नहीं

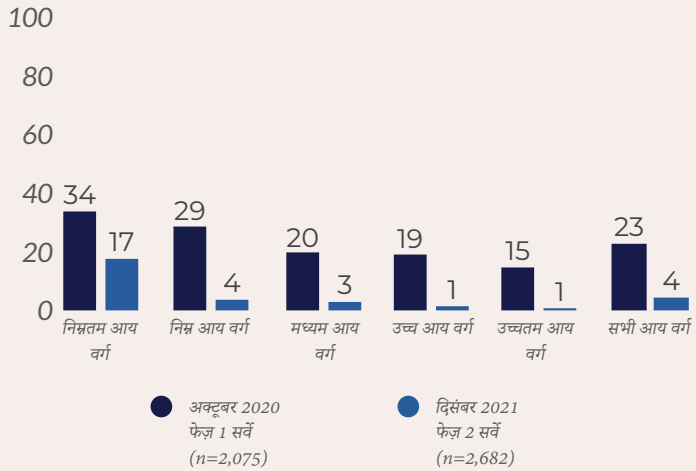

आवाजाही पर सरकारी प्रतिबंध

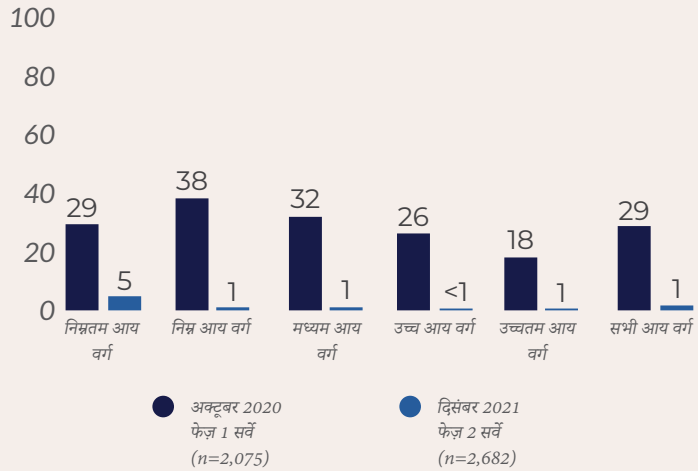

खर्च

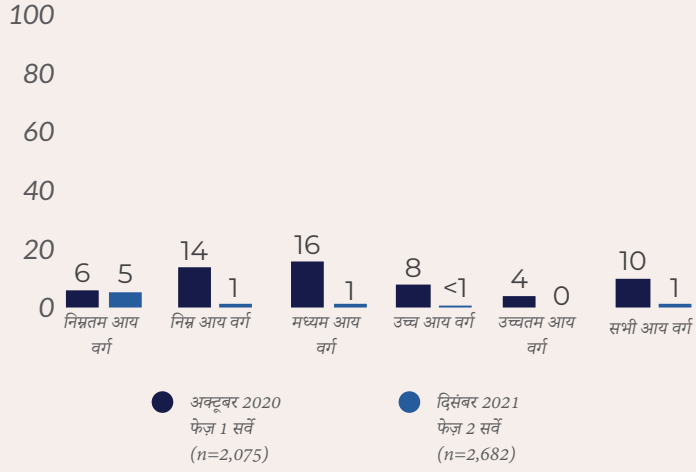

केंद्र जाने से COVID-19 से संक्रमित होने का डर

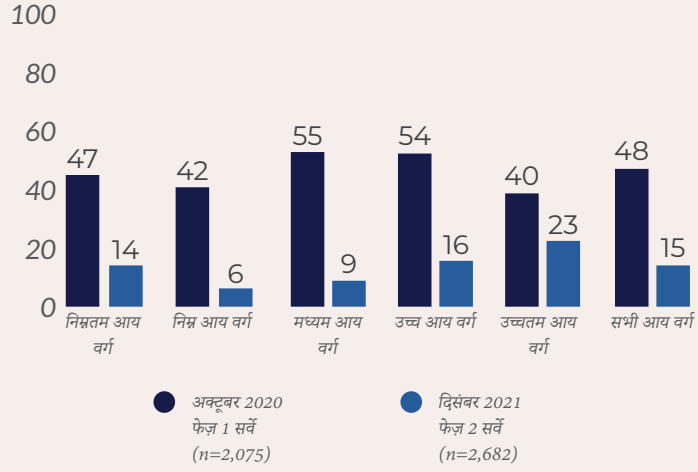

PMA INDIA
PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION

स्वास्थ्य सेवाओं तक सफल पहुँच

वित्तीय स्थिति के आधार पर वह महिलाएं जो हाल ही में किसी सेवा वितरण केंद्र का दौरा करना चाहती थीं, और उन सेवाओं तक पहुंचने में सक्षम रही महिलाओं का प्रतिशत

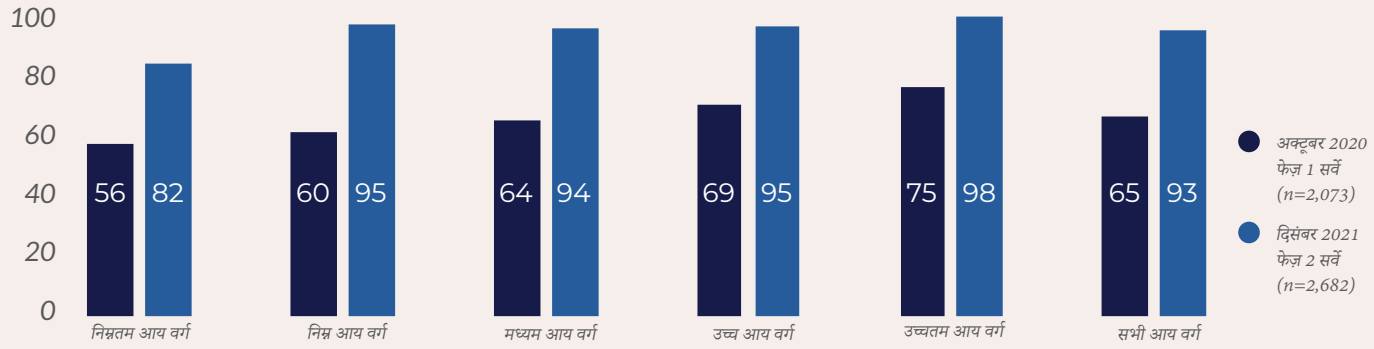

COVID-19 के कारण परिवार नियोजन में व्यवधान

वित्तीय स्थिती के आधार पर उन महिलाओं का प्रतिशत जिनका COVID-19 प्रतिबंधों के कारण गर्भनिरोधक विधी का उपयोग बंद या बाधित हुआ (n=2746)

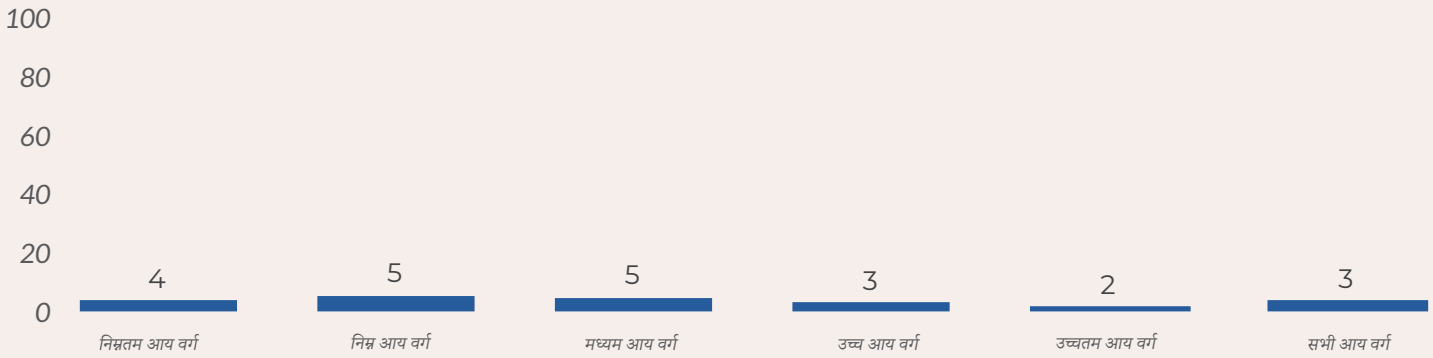

खंड 3 के मुख्य परिणाम: सेवा वितरण केंद्र तक पहुँचने में कठिनाई के कारण

- *सेवा वितरण केंद्र जाने की इच्छा रखने वाली केवल 19% महिलाओं ने केन्द्रों तक पहुँचने में कठिनाई की सूचना दी, जो 2020 में 65% थी।*
- *हालांकि COVID-19 से संक्रमित होने का डर समग्र रूप से कम हुआ है, फिर भी सेवा वितरण केन्द्रों में COVID-19 के संक्रमण का डर स्वास्थय सेवाओं तक पहुँच में एक बाधा है।*
- *जो महिलाएं सेवा वितरण केंद्र जाना चहती थीं, उनमे से 93% ने बताया कि वे केंद्र तक सफलतापूर्वक पहुँच सकी, जो कि 2020 में केवल 65% थीं।*
- *जिन महिलाओं ने पिछले एक साल में गर्भनिरोधक विधियों के उपयोग को बंद या बाधित किया है, उनमें से 3% ने ऐसा COVID-19 प्रतिबंधो/लॉकडाउन के कारण किया।*

PMA|INDIA
PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION

खंड 4 : सेवा वितरण केंद्र पर COVID-19 का प्रभाव

COVID-19 लॉकडाउन के दौरान स्वास्थ्य व परिवार नियोजन सेवाओं पर प्रभाव

उन सेवा वितरण केंद्रों का प्रतिशत जो COVID-19 लॉकडाउन के कारण बंद थी, अन्यथा वे खुली रहती | (n=576)

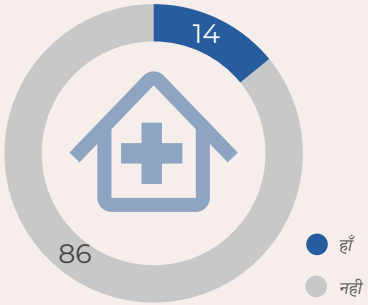

COVID-19 प्रतिबंध/लॉकडाउन के दौरान परीचालन के घंटों में कमी की रिपोर्ट करने वाले सेवा वितरण केंद्रों का प्रतिशत (n=575)

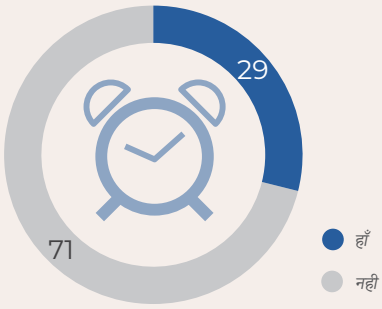

परिवार नियोजन सेवाएँ देने वाले ऐसे सेवा वितरण केन्द्रों का प्रतिशत जिन्होंने यह बताया कि COVID-19 लॉकडाउन के दौरान परिवार नियोजन की सेवायें बंद कर दी गई थी (n=515)

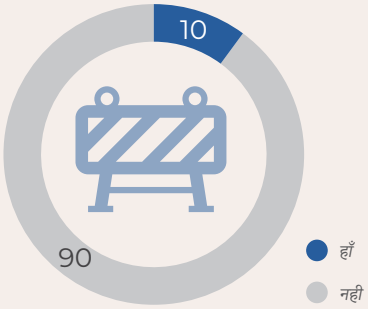

परिवार नियोजन सेवाएँ देने वाले ऐसे सेवा वितरण केन्द्रों का प्रतिशत जिनमें परिवार नियोजन सेवायें प्रदान करने वाले कर्मचारियों को COVID-19 लॉकडाउन के कारण COVID-19 से जुड़ी सेवाओं में लगा दिया गया (n=516)

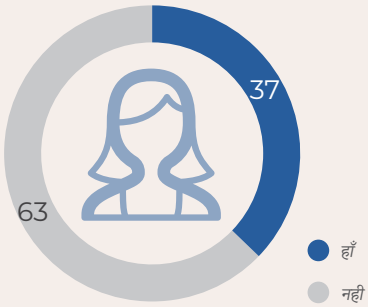

परिवार नियोजन सेवाएँ देने वाले ऐसे सेवा वितरण केन्द्रों का प्रतिशत जिनमे COVID-19 प्रतिबंधों/लॉकडाउन के दौरान प्रदाता द्वारा प्रदान की जाने वाली परिवार नियोजन विधियाँ नहीं दी गयी (n=238)

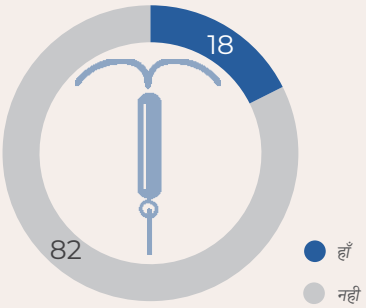

COVID-19 प्रतिबंधों/लॉकडाउन के दौरान, परिवार नियोजन सेवाएँ देने वाले ऐसे सेवा वितरण केन्द्रों का प्रतिशत जो नियमित या अनियमित तरीके से विधियों की आपूर्ति करते थे (n=515)

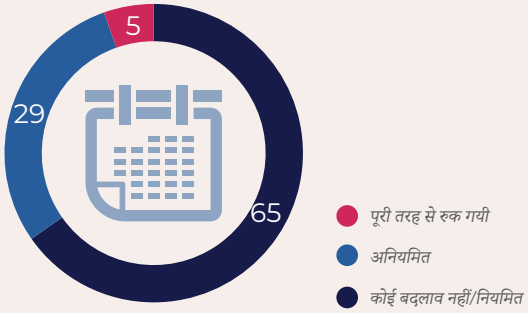

PMA INDIA
PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION

खंड 4 के मुख्य परिणाम: सेवा वितरण केंद्र पर COVID-19 का प्रभाव

- *14% सेवा वितरण केन्द्रों ने बताया कि COVID-19 प्रतिबंधो/लॉकडाउन के दौरान वे बंद थे जबकी 29% केन्द्रों ने परीचालन का समय कम किया।*
- *परिवार नियोजन की सेवाएँ प्रदान करने वाले केन्द्रों में से 10% ने COVID-19 प्रतिबंधो/लॉकडाउन के दौरान परिवार नियोजन सेवाओं को स्थगित करने की जानकारी दी।*
- *COVID-19 प्रतिबंधो/लॉकडाउन के दौरान परिवार नियोजन सेवाएँ प्रदान करने वाले 18% सेवा वितरण केन्द्रों में प्रदाता-प्रशासित सेवाएँ जैसे IUD या महिला नसबंदी प्रदान नहीं की गईं।*
- *परिवार नियोजन की सेवाएँ प्रदान करने वाले केन्द्रों में से 29% ने परिवार नियोजन विधियों की आपूर्ति में अनियमितता की सूचना दी, जबकि 5% ने बाताया कि वह COVID-19 प्रतिबंधो/लॉकडाउन के दौरान पूरी तरह बंद थीं।*

फेज 1 सर्वेक्षण के दौरान महिलाओं से COVID-19 प्रतिबंध लागू होने के बाद की घटनाओ के बारे में पूछा गया था | फेज़ 2 के सर्वेक्षण के लिए, महिलाओं से पिछले 4 सप्ताह में हुयी घटनाओं के बारे में पूछा गया|

PMA शहरी, ग्रामीण और क्षेत्रीय स्तर के साथ बहु चरणीय स्तरीकृत क्लस्टर डिजाईन (समूह संरचना) का उपयोग कर चयनित किये गए 134 गणना क्षेत्रों में परिवार नियोजन के ज्ञान, व्यवहार और कवरेज के बारे में जानकारी एकत्रित करता है | परिणाम शहरी-ग्रामीण स्तर के मध्य एवं राज्य स्तर का प्रतिनिधित्व करते हैं | आंकड़े सितंबर से दिसंबर 2021 के बीच 4,421 परिवारों (98.2% जवाब दर), 5,428 महिलायें आयु 15-49 वर्ष (97.9% जवाब दर), 577 सेवा वितरण केन्द्रों (92.2% पूर्णता दर) एकत्रित किये गए | सैंपल जानकारी और सम्पूर्ण डाटा सेट्स के बारे में जानकारी के लिए www.pmadata.org/countries/india पर जाएं |

फेज 1 आंकड़े अगस्त से अक्टूबर 2020 के बीच 4,577 परिवारों (98.8% उत्तर दर), 15-49 वर्ष की 5,405 महिलाओं (98.1% उत्तर दर) से एकत्र किए गए थे |

इस संक्षिप्त में प्रस्तुत प्रतिशत को पूर्णांकित किया गया है और संभव है की कुछ स्थानों पर इसका जोड़ 100% ना हो।

PMA अफ्रीका और एशिया में मुख्य रूप से परिवार नियोजन और स्वास्थ्य संकेतकों की निगरानी के लिए स्थानीय महिला गणनाकर्ता और मोबाइल तकनीक का उपयोग करता है | PMA इंडिया इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ हेल्थ मैनेजमेंट रिसर्च (IIHMR) के नेतृत्व में संचालित है | सभी प्रकार के निर्देश और सहयोग जोहन्स होपकिंस यूनिवर्सिटी में स्थित बिल एंड मेलिंडा गेट्स इंस्टिट्यूट फॉर पापुलेशन एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थ और जपाईगो द्वारा प्रदान किए जाते है | वित्तीय सहायता बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा प्रदान की गई है |

PMA COVID-19 की वेबसाइट और प्रश्नावली का लिंक:
https://www.pmadata.org/technical-areas/covid-19

PMA | INDIA
PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION